उत्तर प्रदेश में क्षुद्रग्रह की खोज

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (National Aeronautics and Space Administration- NASA)] ने नोएडा के कक्षा 9 के छात्र दक्ष मलिक को एक [क्षुद्रग्रह] की **अनंतिम खोज के लिये मान्यता प्रदान की गई है,** जिसे वर्तमान में **'2023 OG40'** के रूप में लेबल किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह खोज परियोजना (IADP) में भागीदारी:**
- दो स्कूली मित्रों के साथ, छात्र ने **IADP में सक्रिय रूप से भाग लिया,** जिसने उन्हें **अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग (IASC) से परिचित कराया।**
- IASC, एक **NASA-संबद्ध नागरिक विज्ञान पहल है,** जो क्षुद्रग्रह खोज में वैश्विक भागीदारी को सक्षम बनाती है।
- यह विश्वभर के छात्रों और खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों को **आकाशीय डेटा का विश्लेषण करने और वैज्ञानिक अनुसंधान में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।**
- **एक दुर्लभ उपलब्धि:**
- प्रतिवर्ष 6,000 से अधिक प्रतिभागियों के IADP में शामिल होने के बावजूद, केवल कुछ ही नए क्षुद्रग्रहों की पहचान करने में सफल होते हैं।
- इस खोज से पहले, देश के केवल पाँच छात्रों ने कभी नामित क्षुद्रग्रह की खोज की थी।
- **क्षुद्रग्रह का नामकरण:**
- इस उपलब्धि से [खगोलीय पिंड] का सत्यापन प्रक्रिया के पश्चात **नामकरण करने का विशेषाधिकार भी प्राप्त होता है, जिसमें लगभग चार से पाँच वर्ष का समय लग सकता है।**

क्षुद्रग्रह

- क्षुद्रग्रह, जिन्हें **लघु ग्रह भी कहा जाता है, लगभग 4.6 अरब वर्ष पहले** हमारे सौरमंडल के निर्माण के प्रारंभिक चरण के अवशेष हैं।
- वे मुख्यतः **अनियमित आकार प्रदर्शित करते हैं,** हालाँकि कुछ **लगभग गोलाकार रूप भी प्रदर्शित करते हैं।**
- कई क्षुद्रग्रहों के साथ **छोटे** [**चंद्रमा**] भी होते हैं, यहाँ तक कि कुछ के तो दो चंद्रमा भी होते हैं।
- इसके अतिरिक्त, द्वि-क्षुद्रग्रहों में एक दूसरे की परिक्रमा करने वाले **दो समान आकार के चट्टानी पिंड शामिल होते हैं** तथा त्रि-क्षुद्रग्रह प्रणालियाँ भी होती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/asteroid-discovery-in-uttar-pradesh